

WORKSHOP

The role of lab techniques play is very important in developing skill in students. With the objective to take care of difficulties encountered by students during practical work, it is very essential to train the lab technicians in this direction. Hence a two-day training Workshop was organized in which about more than 50 Lab technicians, even from remote areas - Dantewada, Korea, Raigarh, Rajnandgaon, Ambagarh chowki, etc regions. Participated and got benefited.

भविष्य निर्माण में प्रयोगशाला तकनीशियनों की भूमिका - कुलपति डॉ. दीक्षित

विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में प्रयोगशाला तकनीशियनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि सैद्धांतिक कक्षाओं के परापूर्व व्यावहारिक रूप से विषय की महार्थ प्रायोगिक कक्षाओं में स्वयं प्रदर्शन करने के परापूर्व ही समझ में आती है। ये विचार तुरंत विद्यार्थियों के प्रथम कुलपति डॉ. एन.पी. दीक्षित ने महाविद्यालय में स्वीकृति प्राप्त प्रायोगिक एवं ऑनलाइन के तलावधान में अतीव प्रयोगशाला तकनीशियनों के दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तदनुष्ठान अवसर पर व्यक्त किया। डॉ. दीक्षित ने कहा कि प्रायोगिक कक्षाओं के दौरान यदि विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाइयों के निराकरण में प्रयोगशाला तकनीशियन ईमानदारी से अपनी भूमिका अदा करें तो विद्यार्थियों के मन में विश्वास के प्रति रुचि उत्पन्न होने में मदद मिलती है। कुलपति डॉ. दीक्षित ने अपने दौरे परमकीय सेवाकाल के दौरान प्रायोगिक कक्षाओं के अनेक संस्मरण सुनाते हुए प्रयोगशाला तकनीशियनों से प्रायोगिक कक्षाओं के दौरान दुर्घटना से बचने हेतु सावधानीपूर्वक कार्य करने की सलाह दी। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन.के. रामभद्र ने प्रायोगिक कक्षाओं के दौरान तकनीशियनों की प्रशिक्षण कक्षाओं के प्रतिवर्तित किया जाना आवश्यक है। डॉ. रामभद्र ने प्रायोगिक कक्षाओं में विषयवस्तु प्रयोगों को संपादित करने में प्रयोगशाला तकनीशियनों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण कार्यकाल के दौरान प्रयोगों की कार्यविधि को समझे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल कुमार ने अपने संबोधन में कार्यक्रम के अध्येतृ एवं प्रशिक्षण के दौरान जाने वाले विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार ने प्रयोगों की महत्ता का भी महार्थ में विश्लेषण किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजय सिंह ने वृत्तीय रूप प्रयोगों इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सम्पूर्ण छातीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों में अपने प्रयोगशाला तकनीशियनों को सहायता की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक प्रयोगशाला तकनीशियन मुद्रा अंतर्गत डेवरा, कोरिया, बरहद, राजनंदगांव, अंबागढ़ चौकी जैसे क्षेत्रों से आए हुए हैं।



कॉलेज समाचार

प्रयोगशाला तकनीशियन उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण घटक



प्रयोगशाला तकनीशियन उच्च शिक्षा की महत्वपूर्ण घटक है। प्रायोगिक कक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों एवं प्रयोगशाला के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी प्रयोगशाला तकनीशियन एवं परिचारक ही होते हैं। ये विचार प्रो. एन.ए. सिद्धीको ने आज व्यक्त किया। प्रो. सिद्धीको अवलोकितकार्य के निदान संकाय एवं ऑनलाइन के तलावधान में अतीव दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु दृढ़ता विचार कार्यकाल में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। प्रो. सिद्धीको ने कहा कि ईमानदारी पूर्वक किया गया हर कार्य सम्पूर्ण जीवन काल तक हमारे पहचान रखता है। अतः प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक कार्यविधि को समझते समय हमारे विद्यार्थियों एवं प्रयोगशाला तकनीशियनों दोनों की सख्तानी आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल कुमार ने दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दृढ़ता अंतर्गत प्रयोगशाला तकनीशियनों को नए उपकरणों के बारे में जानकारी



अभियान के प्रस्ताव की जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक एवं कार्यकाल आयोजन के सहयोगक डॉ. अजय सिंह ने प्रयोगशाला तकनीशियनों को सदैव अपडेट रहने की सलाह दी। महाविद्यालय वृत्तीय सेवा के संयोजक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने प्रयोगशाला में उपयोग में आने वाले उपकरणों, सामग्रियों एवं अन्य सामग्री की सामग्री जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रयोगशाला तकनीशियनों से आग्रह किया। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कार्यकाल के प्रतिवर्तित श्री चन्द्रशेखर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों हमारे विकास में सहायक सिद्ध होते हैं तथा हमें कनेक्टेड उपकरणों के संचालन के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। तुरंत सहायक कार्यकाल को प्रयोगशाला तकनीशियन श्रीमती प्रीति शर्मा ने अपने संबोधन में कार्यकाल को उपयोगी बनाते हुए पहिले में अधिक दिन के लिए आभार व्यक्त करने का शुभारंभ दिया। एक अन्य प्रतिवर्तित अजय कुमार ने अपने संबोधन में दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दृढ़ता अंतर्गत प्रयोगशाला तकनीशियनों को नए उपकरणों के बारे में जानकारी

